



Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission



स्वच्छ भारत

पर करा साकारा ही जी



श्री नरेंद्र प्रकाश नड्डा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भास्तरी नन्ता पार्टी



श्री रमेश जोशी
प्रदेशीय अध्यक्ष
भाजपा



श्री नितीन गडकरी
प्रदेशीय अध्यक्ष
भाजपा

गरीब कल्याण के

9 वर्ष





पाठकों के नाम संदेश

बदलाव का कोई आरंभ कैसे एक समय के बाद एक स्थापित मीलस्तंभ बन जाता है, बीते नौ वर्षों में जोधपुर ने यह देखा और महसूस किया है। 2014 में यहां की जनता ने जिस तरह मेरे ऊपर विश्वास जताया, वह 2019 में भी जारी रहा। इस दौरान जोधपुर की जनता के साथ मेरा संबंध, यहां के विकास कार्यों के साथ मेरा प्रतिबद्ध जुड़ाव एक सुंदर सर्ग की तरह है। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में इन वर्षों में जोधपुर ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के साथ विकास का नया सुलेख रचा है।

बीते नौ वर्षों में प्रधानमंत्री जी के रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म के सूत्र के साथ आगे बढ़ते हुए जोधपुर ने आम जीवन में खुशहाली को जिस तरह महसूस किया है, वह यहां के लोगों के अनुभव और भारतीय जनता पार्टी के प्रति उनके प्रगाढ़ विश्वास में झलकता है। विशेष रूप से कोरोना संकट के दौरान जोधपुर के लोगों की स्वास्थ्य सुविधा को लेकर जिस तरह के प्रयास किए गए, वे अद्वितीय हैं।

एक सांसद के रूप में मुझे यह कहते हुए हार्दिक प्रसन्नता है कि बीते वर्षों में जोधपुर में विकास की आधारभूत संरचना को लेकर जिस तरह कार्य हुआ है, उससे यह पूरे क्षेत्र डेवलपमेंट के एक शानदार मॉडल के रूप में उभरा है। एक ऐसा मॉडल जिसमें जहां सड़क और आवागमन की बेहतरीन सुविधाएं हैं, वहीं बिजली, पानी और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधारभूत कार्य हुए हैं।

जीवन और उससे जुड़े तमाम सरोकारों के साथ जोधपुर का विकास आज नए और बदलते राजस्थान का आदर्श है। मैं जोधपुर के नागरिकों का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इन वर्षों में न सिर्फ अपने सांसद पर अपना स्नेह और आशीर्वाद बनाए रखा, बल्कि साथ मिलकर समृद्धि और खुशहाली के एक सर्वथा उर्वर दौर में इस पूरे क्षेत्र को लाने में मेरा कदम-कदम पर साथ दिया।

जोधपुर के साथ मैं अपने आत्मीय संबंध को चुनाव और राजनीतिक अपरिहार्यता से ज्यादा मूल्यवान मानता हूं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वह मुझे इस क्षेत्र की सेवा करने का आगे भी अवसर और सामार्थ्य और बल दे। जोधपुर का विकास और यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली के लिए समर्पित भाव से कार्य करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह अवसर और सौभाग्य जोधपुर की जनता आगे भी मुझे प्रदान करेगी, यह मेरी कामना ही नहीं बल्कि दृढ़ विश्वास है। जोधपुर का निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कार्यों के वर्णन और विवरण के साथ मैं यहां की जनता का अक्षर आशीष चाहता हूं।

प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जोधपुर की केसरिया शान और मुस्कान आगे नई बुलंदियों को प्राप्त करे, यह मेरे साथ जोधपुर के जन-जन की दृढ़ आकांक्षा है, उनका अटूट प्रण है।
जय जोधपुर! जय राजस्थान! जय भारत!



9 वर्षों में कई सड़कें आई, खुशिया भर-भर कर लाई

बीते 9 वर्षों से केंद्र सरकार निरंतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश कर रही है। राजस्थान में भी हाईवे के लिए बीते वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक दिए गए हैं। इस वर्ष के बजट में तो हमने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 लाख करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। ये 2014 की तुलना में 5 गुना अधिक है। इस निवेश का बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को होने वाला है, यहां के गांव, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को होने वाला है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाला निवेश अन्य बहुत से निवेश को आकर्षित करता है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और Western Dedicated Freight Corridor, ये राजस्थान की, देश की प्रगति के दो मजबूत स्तंभ बनने वाले हैं। ये प्रोजेक्ट्स, आने वाले समय में राजस्थान सहित इस पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाले हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी

जोधपुर के इतिहास का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट, जो जल्द ही धरातल पर उतरेगा!

इससे शहर का ट्रैफिक 50 साल तक सुगम रह पाएगा।

जोधपुर में 9.6 किमी लंबी प्रस्तावित एलिवेटेड रोड (कृषि मंडी चौराहे से आखलिया चौराहे तक) से आवागमन में जनसामान्य को मुक्ति एवं त्वरित गमन की सहायत होगी। इस हाईब्रिड एलिवेटेड रोड के लिए डबल डेकर पुल बनेगा। सबसे नीचे सड़क, उसके ऊपर फ्लाईओवर और तीसरे लेवल पर मेट्रो का ट्रैक प्रस्तावित किया गया है। यह आने वाले वर्षों में अत्यधिक हो सकता है, ऐसे में एलिवेटेड रोड शहर के ट्रैफिक को सुगम करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की शुरू से मंशा रही है कि जोधपुर में मल्टीलेवर ट्रांसपोर्ट सिस्टम स्थापित हो, इसके लिए निर्माण लागत भी बढ़ाकर 1700 करोड़ कर दी गई है।

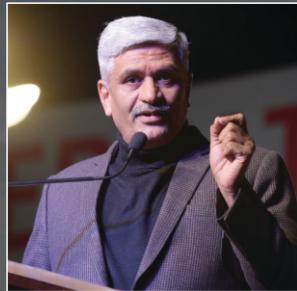
- केंद्रीय जल शक्तिमंत्री माननीय श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी

सफल नेतृत्व, साहसिक फैसले

उड्डयन के क्षेत्र में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में लिए गए साहसिक और त्वरित फैसलों का सकारात्मक असर पूरे देश के साथ जोधपुर पर भी पड़ा है, जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं। मेरा निर्वाचन क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से, सदियों से व्यापार, संस्कृति, पर्यटन और नवोन्मेषण का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जोधपुर की जनता को जोधपुर हवाई अड्डे के विस्तार के रूप में बेहतरीन सौगात मिला है। यह व्यापार बढ़ाने तथा पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम है। यहां की प्रत्येक उड़ान, भारत के विकास और समृद्धि की नई गाथा से हम सभी को परिचित करा रही है।

यह तथ्य आश्र्यचकित कर सकता है कि जोधपुर में आजादी से पहले से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा था। फिर भी पूर्ववर्ती सरकार की शिथिलता के कारण इसका जोधपुर और इसके आसपास को लोगों को पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा था। वर्ष 2013 से पहले राज्य और केंद्र में कांग्रेस पार्टी का शासन था। सोने पर सुहागा तो यह है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का निर्वाचन क्षेत्र भी जोधपुर ही था। बावजूद इसके हावाई अड्डे के विस्तार का कार्य लगभग 7 वर्ष तक ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। मैंने जोधपुर की अपनी जनता की पीड़ा को समझते हुए तत्काल इसके समाधान निकालने की ठानी। मैंने तत्कालीन रक्षामंत्री श्री मनोहर परिंकर से अनुरोध किया कि वे व्यक्तिगत रूप से इस मामले में दखल देकर त्वरित कार्रवाई करें। इसके बाद श्री मनोहर परिंकर ने भारतीय वायुसेना, नागरिक उड्डयन एवं राज्य के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक बुलाई और अगले 24 घंटे में हवाई अड्डे के विस्तार का कार्य आरंभ करने का आदेश दिया।





“

विस्तार के बाद सिविल एयरपोर्ट जोधपुर में एक समय में 9-12 विमान समायोजित हो सकेंगे, जिससे एक साथ लगभग 1200 आने-जाने वाले यात्री एक साथ यात्रा कर सकेंगे। विविध एयरलाइंस अपनी सेवाएं जोधपुर के लिए प्रदान कर सकेंगी, जिससे सूर्यनगरी से विभिन्न शहरों की यात्रा डायरेक्ट फ्लाइट माध्यम से सुलभ हो सकेगी और दिन-रात की विमान सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

- गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

”

जोधपुर हवाई पट्टी से रोजगार को पंख

जोधपुर हवाई अड्डे के विस्तार का कार्य तेजी से जारी है। जल्द ही यात्रियों को सीधा लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और जोधपुर के सांसद आदरणीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी खुद ही निगरानी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 350 करोड़ रुपये का बजट सेक्षण कराया गया था। हवाई अड्डे का विस्तार पूरा होने के बाद जोधपुर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटकों की संख्या में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। तीन लाख से अधिक विदेशी एवं घरेलू पर्यटकों के नवागमन से आने वाले दिनों में 100000 लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

जोधपुर हवाई अड्डे से विकास और समृद्धि को रफ्तार

350
करोड़ रुपये

का बजट सेंकशन कराया है
आदरणीय जल शक्ति मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने

30%

की बढ़ोतरी होगी पर्यटकों
की संख्या में, हवाई अड्डे का
विस्तार पूरा होने के बाद

3
लाख

से अधिक विदेशी एवं घरेलू
पर्यटकों का नवागमन संभव

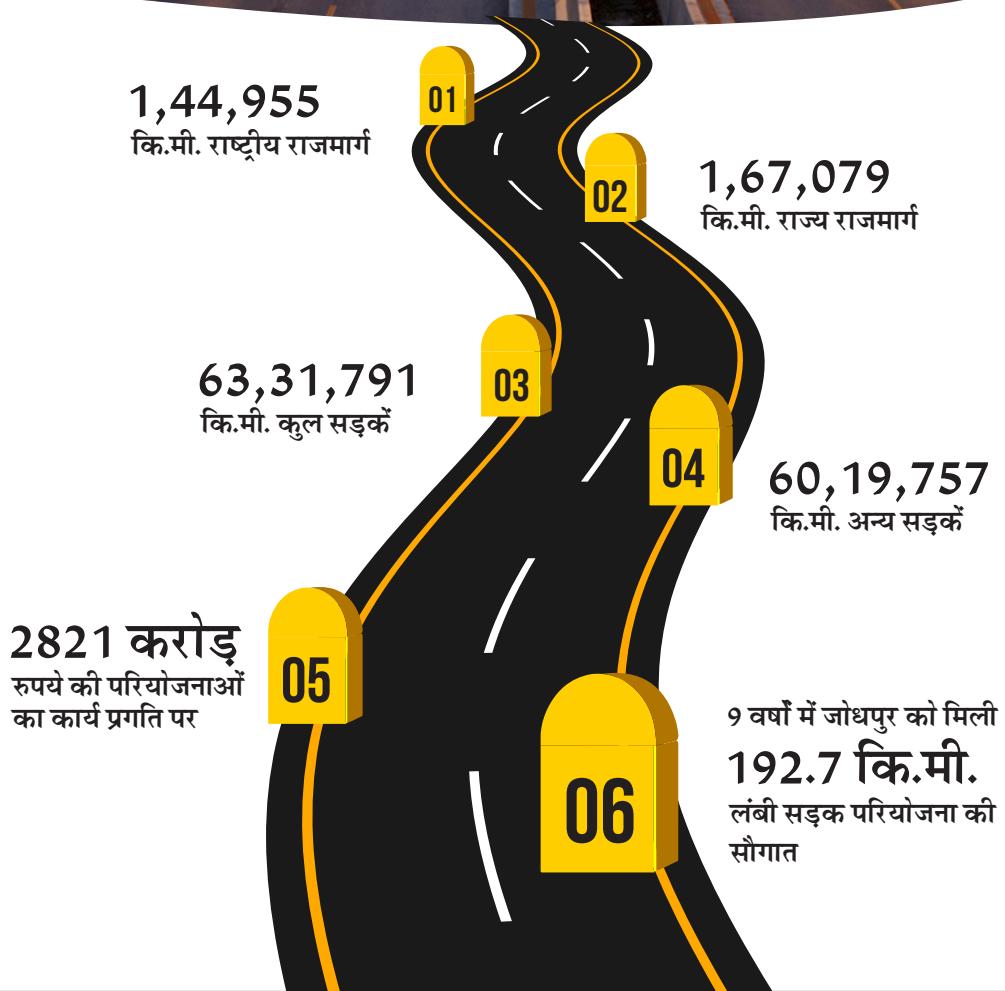
1
लाख

लोगों के लिए रोजगार
के नए अवसर बनेंगे



नेतृत्व पर विश्वास, मिला नया आकाश

- जोधपुर एयरपोर्ट पर ILS उपकरण उपलब्ध कराया, अब चौबीसों घंटे उड़ान संभव
- सीएटी, जोधपुर के टर्मिनल भवन में सभी शौचालयों का फेस लिफ्ट किया गया
- सोलर फोटो वोल्टेक पावर प्रोजेक्ट से जुड़ी 100 KwP रूफ टॉप प्रिंड की स्थापना
- अप्रोन के चारों ओर जीएसई क्षेत्र का विकास करना
- हवाई अड्डे परिसर के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वारों का निर्माण
- प्रस्थान हॉल में ग्रीन दीवार का प्रदर्शन करना



रिंग रोड़

बहुप्रतीक्षित रिंग रोड़ के औपचारिक उद्घाटन से जोधपुर के परिधि क्षेत्र की औद्योगिक उत्पादन क्षमता तथा आर्थिक गतिविधि में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी होगी। 1308 करोड़ की लागत से बनने वाली 74.619 कि.मी. लम्बी रिंग रोड़ जोधपुर के चारों ओर एक से दूसरे सिरे तक बनाई जाएगी और इस प्रकार से जैसलमेर, बाड़मेर, नागपुर, जयपुर, पाली, जोजावार एवं फलोदी की ओर जाने वाले भारी वाहनों का शहर में सीधा प्रवेश रुकेगा जिसके परिणामस्वरूप, यातायात में आसानी और प्रदूषण में कमी होगी।

लंबे समय से जोधपुर विकास प्राधिकरण, एनएचएआई और पिछली राज्य सरकारों के बीच यह एक विवादास्पद मामला बना रहा है। राजमार्ग मंत्रालय में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के दौरे के दौरान जोधपुर रिंग रोड़ के लंबित मामले के बारे में संक्षेप में चर्चा हुई थी यह अत्यधिक विनम्रता और गर्व का विषय है कि माननीय मंत्री जी ने इस परियोजना को स्वीकृत ही नहीं किया अपितु समय-समय पर इसकी प्रगति की समीक्षा करने की जिम्मेदारी भी ली। जब 1300 करोड़ रुपए लागत की जोधपुर रिंग रोड़ का कार्य आगामी दो वर्षों में पूरा कर लिया जाएगा। इस सड़क का पहला चरण लगभग 74.819 किलोमीटर का है जिसमें से लगभग 51,40 किलोमीटर नगर के आबादी वाले क्षेत्रों में से होकर गुजरता है। यह रिंग रोड जयपुर पाली बाड़मेर, जैसलमेर नागौर तथा जोजावार की ओर जाने वाले राजमार्गों को परस्पर जोड़ देगी और इसमें पलाइओवर भारी वाहनों के लिए एक अंडरपास, हल्के वाहनों के लिए 6 अंडरपास तथा 2 रेलवे पुल हैं। यह जैसलमेर तथा बाड़मेर की ओर जाने वाले सुरक्षा बलों के वाहनों के सुगम संचलन में भी सहायक होगा।

(अ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में प्रगतिरत कार्यों का विवरण

जोधपुर रिंग रोड सेवान-
प्रथम (डार्गियावास-केरू-करवड़)

74.619 कि.मी.

₹ 1161 करोड़

जोधपुर रिंग रोड सेवान-
द्वितीय (करवड से डार्गियावास)

30.093 कि.मी.

₹ 298.78 करोड़

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत¹
इकॉनोमिक कार्पोरेशन अमृतसर-
जामनगर परियोजना (कि.मी. 30.00
से 60.00) (AJ/RD-Package -2)

30 कि.मी.

₹ 484.85 करोड़

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत¹
इकॉनोमिक कार्पोरेशन अमृतसर-
जामनगर परियोजना (कि.मी. 60.00 से
90.00) (AJ/RD-Package -3)

30 कि.मी.

₹ 452.29 करोड़

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत¹
इकॉनोमिक कार्पोरेशन अमृतसर-
जामनगर परियोजना (कि.मी. 120.00 से
148.00) (AJ/RD-Package -5)

28 कि.मी.

₹ 424.19 करोड़

(ब) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पूर्ण परियोजना

जोधपुर रिंग रोड सेवान-
प्रथम (डार्गियावास-केरू-करवड़)

139.33 कि.मी.

₹ 265 करोड़

जोधपुर रिंग रोड सेवान-
प्रथम (डार्गियावास-केरू-करवड़)

85.615 कि.मी.

₹ 212.14 करोड़

जोधपुर रिंग रोड सेवान-
प्रथम (डार्गियावास-केरू-करवड़)

109.655 कि.मी.

₹ 649 करोड़

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत¹
इकॉनोमिक कार्पोरेशन अमृतसर-
जामनगर परियोजना (कि.मी. 90.00 से
120.00) (AJ/RD-Package -4)

30 कि.मी.

₹ 414.75 करोड़

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत¹
इकॉनोमिक कार्पोरेशन अमृतसर-
जामनगर परियोजना (कि.मी. 148.00 से
177.658) (AJ/RD-Package -6)

29.65 कि.मी.

₹ 560.18 करोड़



बांध से बांधी जीवन की डोर

जोधपुर जिला राजस्थान राज्य के पश्चिमी भाग में स्थित है, यहाँ की जलवायु गर्म और अर्ध- शुष्क है, जहाँ जून के अंत से सितंबर तक बारिश की संक्षिप्त अवधि होती है। जिले में कोई बारहमासी नदी नहीं है, तथापि, लूनी और मिथरी नदियाँ जिले की प्रमुख मौसमी नदियाँ हैं। वर्षा जल के अलावा सिंचाई का मुख्य स्रोत भूजल है और पानी मुख्य रूप से खोदे गए कुओं और नलकूरों के माध्यम से निकाला जाता है। सिंचाई और पीने के पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पानी के अत्यधिक दोहन के कारण, जिले में पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि भूजल भूजल तालिका 150- 200 फीट तक गहरी हो गई है।

पानी की कमी और भूजल दोहन पर निर्भरता को दूर करने के लिए, जल शक्तिमंत्रालय, भारत सरकार ने राजस्थान राज्य के जोधपुर, जैसलमेर और सीकर जिलों के अत्यधिक शांतित ब्लॉकों में कृत्रिम पुनर्भरण रणनीतियों के माध्यम से भूजल संवर्धन की शुरुआत की। जोधपुर जिले में उपलब्ध प्राकृतिक जल का उपयोग करने के लिए बस्तवा माता बांध और इन्द्रोका बांध का निर्माण शुरू किया गया है।

बस्तवा माता बांध (शेरगढ़)

बस्तवा माता बांध एक कंक्रीट का बांध है, जो जिला मुख्यालय जोधपुर से लगभग 90 किमी दूर स्थित बस्तवा माता गाँव की सीमा के साथ स्थित है। परियोजना क्षेत्र ऊपर की ओर पहाड़ियों से धिरा हुआ है और पानी बस्तवा माता मंदिर की ओर बहता है जो मैदानी और निचले इलाके की रुपरेखा है।

बांध स्थल पर अवरोधित जलग्रहण क्षेत्र लगभग 2000 हेक्टेयर है, जो प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली के माध्यम से बस्तवा माता बांध के जलाशय में वर्षा जल का योगदान देगा। परियोजना की लागत लगभग रु. 19.5 करोड़।

इन्ड्रोका बांध

इंद्रोका मिट्टी का बांध जोधपुर जिले के मंडोर तहसील के गांव इन्ड्रोका में एक स्थानीय नाले पर बनाया जा रहा है, और इससे क्षेत्र में भूजल स्तर में सुधार होगा। जिला मुख्यालय जोधपुर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंडोर तहसील का एक छोटा सा गांव इन्ड्रोका है। जलग्रहण क्षेत्र 270 हेक्टेयर है। छोटे जलग्रहण क्षेत्र को देखते हुए इसे अर्थेन क्लो कोर डैम के रूप में विकसित किया जा रहा है। डैम की लागत करीब 15.2 करोड़ है।

कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के माध्यम से भूजल संसाधनों को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। बस्तवा माता और इन्ड्रोका बांध भूजल संसाधनों को बढ़ाने और आसपास के गांवों में जल संकट को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इन संरचनाओं के प्रमुख लाभ निम्न होंगे :

भूजल संसाधनों में वृद्धि

- भूजल के अत्यधिक दोहन से संबंधित समस्याओं को दूर करना
- भूजल स्तर को बढ़ाकर दीर्घकालिक भूजल प्रबंधन सुनिश्चित करता है
- पर्यावरण लागत कम करे





पानी की गुणवत्ता सुधारे

बस्तवा और इन्ड्रोका के जलाशयों में संग्रहित पानी जमीन में रिस जाएगा और आस-पास के क्षेत्रों के भूजल स्तर को रिचार्ज करेगा। इस प्रकार, ये दोनों बांध आसपास के क्षेत्रों में भूजल संसाधनों पर तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बांध आसपास के क्षेत्रों में जल संकट को कम करेंगे, मर्वेशियों और वन्यजीवों के लिए भी वैकल्पिक पेयजल स्रोत के रूप में काम करेंगे।

बस्तवा माता और इन्ड्रोका बांधों का निर्माण सभी को सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने के हमारे संकल्प में सबसे महत्वकांक्षी जनकल्याणकारी कदम है, जो आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार करेगा।



माननीय सांसद जोधपुर के लोकसभा क्षेत्र में किये गये विकास कार्य :-

- जोधपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य व द्वितीय प्रवेश द्वार पर 02-02 एस्केलेटर की व्यवस्था ।
- जोधपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1, 2-3 और 4-5 पर 03, भगत की कोठी स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1, 2-3 और द्वितीय प्रवेश द्वार पर 03 एवं राईका बाग स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 और 2 पर 02 लिफ्टों का प्रावधान किया गया ।
- लूनी से मारवाड़ जंक्शन एवं राईका बाग से भीकमकोर स्टेशन के बीच रेलवे विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण किया गया है ।
- जोधपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म न. 4-5, राई का बाग स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1, रामदेवरा स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 एवं भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 पर कोच इंडिकेशन बोर्ड की सुविधा का प्रावधान किया गया ।
- राई का बाग रेलवे स्टेशन पर नये स्टेशन भवन के साथ प्रतीक्षाकक्ष, प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय का प्रावधान व सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार का कार्य किया गया ।
- रामदेवरा रेलवे स्टेशन पर नये प्रतीक्षालय का प्रावधान किया गया ।
- भगत की कोठी स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज के साथ द्वितीय प्रवेश द्वार का प्रावधान किया गया ।
- जोधपुर रेलवे स्टेशन पर तृतीय, राई का बाग रेलवे स्टेशन द्वितीय और रामदेवरा रेलवे स्टेशन पर द्वितीय फुट ओवर ब्रिज (FOB) का प्रावधान किया गया ।
- मंडोर, सलावास और हनवंत स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (FOB) का प्रावधान किया गया ।
- मंडोर, सतलाना, बनाड़, बासनी और ओढानिया चाचा स्टेशनों के प्लेटफार्म न. 1 के हाई लेवल का कार्य एवं मंडोर स्टेशन पर द्वितीय मध्यम लेवल के प्लेटफार्म का प्रावधान किया गया ।

- पोकरण रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 के विस्तार का कार्य किया गया।
- जोधपुर, भगत की कोठी, जोधपुर कैंट, मंडोर और रामदेवरा स्टेशनों पर सर्कुलेटिंग एरिया के अपग्रेडेशन का कार्य किया गया।
- जोधपुर स्टेशन के प्रतीक्षालय में (03), राई का बाग स्टेशन के प्रतीक्षालय में (01) और भगत की कोठी स्टेशन के प्रतीक्षालय में (03) हाई वोल्यूम लो स्पीड पंखे लगाये गये हैं।
- जोधपुर स्टेशन पर 60 और भगत की कोठी स्टेशन पर 17 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए।
- जोधपुर स्टेशन पर एलईडी लाइटिंग की व्यवस्था।
- जोधपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 पर वर्टिकल गार्डन का विकास।
- जोधपुर, भीकमकार, महामीदि, बनाड, सलावास, हनवत, लूनी, सतलाना और मंडोर स्टेशनों पर दिव्यांगजन शौचालयों का प्रावधान किया गया।
- गाड़ी संख्या 15013/14 जैसलमेर-काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस, 14887/88 ऋषिकेश-बाडमेर-ऋषिकेश एक्सप्रेस एवं 22483/84 जोधपुर-गांधीधाम-जोधपुर एक्सप्रेस का लूनी स्टेशन पर दिनांक 10.11.2022 से प्रायोगिक तौर पर 06 माह के लिए अस्थाई ठहराव दिया गया है जिसे समीक्षा कर बढ़ाया जा सकता है।
- गाड़ी संख्या 15013/14 जैसलमेर-काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस, 12467/68 जैसलमेर-जयपुर-जैसलमेर लीलण एक्सप्रेस, 22931/32 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस-जैसलमेर एक्सप्रेस एवं 14703/04 जैसलमेर-लालगढ़-जैसलमेर एक्सप्रेस का पोकरण रेलवे स्टेशन पर दिनांक 08.04.2023 से 06 माह हेतु प्रायोगिक तौर पर अस्थाई ठहराव दिया गया है जिसे समीक्षा कर आगे बढ़ाया जा सकता है।



वर्तमान में चल रहे कार्य :-

- जोधपुर रेलवे स्टेशन को 'स्टेशन रिडिक्लपर्मेंट प्लान' के अंतर्गत शामिल किया गया है, इसके अंतर्गत आधुनिकतम यात्री सुविधाओं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर्स, कोनकोर्स, बोटिंग हॉल, कमर्शियल स्पेस आदि का प्रावधान शामिल है।
- भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 एवं द्वितीय प्रवेश द्वार पर एस्केलेटर्स का कार्य प्रगति पर है। (TDC मई 2023)
- भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर पार्सल कार्यालय एवं पार्सल हेतु शेड का कार्य प्रगति पर है। (TDC जून 2023)
- फलोदी, रामदेवरा, मारवाड़ खारा, मारवाड़ लोहावट, लूनी, भीकमकोर, ओडानिया चाचा और आशापुरा गोमट स्टेशनों पर प्लेटफार्म की लंबाई के विस्तार का कार्य। (TDC फरवरी 2024)
- हनवंत और मंडोर स्टेशन के प्लेटफार्म न. 2 पर 112 वर्ग मीट्रिक फार्म शेल्टर का कार्य। (TDC फरवरी 2024)
- महार्मदिर स्टेशन पर प्लेटफार्म के हाई लेवल का कार्य। (TDC दिसम्बर 2023)

स्वीकृत कार्य वर्ष 2022-23 :-

- जोधपुर स्टेशन के प्लेटफार्म न. 2-3 और 4-5 पर 02-02 एस्केलेटर का कार्य स्वीकृत है एवं वर्तमान में यह कार्य राईका बाग रेलवे स्टेशन पर करवाने हेतु प्रस्ताव दिनांक 05.01.2023 को मुख्यालय भेजा गया है।
- सालावास, श्री भादरिया लाठी, मारवाड़ बीठडी, हरलाया और शेतान सिंह नगर स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 तथा दुन्दाडा स्टेशन प्लेटफार्म न. 2 के हाई लेवल का कार्य स्वीकृत किया गया है।
- बासनी स्टेशन के प्लेटफार्म न. 1 के विस्तार का कार्य स्वीकृत किया गया है।
- बासनी और महार्मदिर रेलवे स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का कार्य स्वीकृत हुआ है, इसमें बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय और प्रतीक्षा कक्ष आदि का प्रावधान शामिल है।
- भगत की कोठी स्टेशन के गुड्स शेड में प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह, सड़क आदि के सुधार जैसी ग्राहक सुविधाओं के विकास के लिए कार्य स्वीकृत किया गया है।

फलोदी



“अमृत भारत स्टेशन स्कीम ”

इस परियोजना के अंतर्गत रामदेवरा व फलोदी, स्टेशन को शामिल किया गया है। इसमें स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाओं के विस्तार का प्रावधान है।

रामदेवरा





पीएम श्री योजना

मूर्यनगरी क्षेत्र के छात्र उभरते मूर्य के समान समस्त भारत को प्रदीप्त करेंगे

राष्ट्र निर्माण के सर्वोत्तम नींव शिला, देश के बच्चों की बुनियाद सु-ढ करने के उद्देश्य से केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बहुप्रतिष्ठित पीएम श्री योजना का निस्तारण किया है। इसके अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना अनुसार केंद्र सरकार/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार/केवीएस और एनवीएस सहित स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों को विकसित करना है। इन विद्यालयों में हर छात्र का स्वागत और देखभाल महसूस होती है, एक सुरक्षित और उत्तेजक सीखने का माहौल मौजूद है, विस्तृत सीखने के अनुभवों की एक श्रृंखला की पशकश की जाती है, और जहां अच्छे भौतिक बुनियादी ढांचे और सीखने के अनुकूल उपयुक्त संसाधन सभी छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

यह छात्रों का इस तरह से पोषण करेगा कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित एक समान, समावेशी और बहुल समाज के निर्माण के लिए व्यस्त, उत्पादक और योगदान देने वाले नागरिक बनें।

20 लाख से अधिक छात्रों के योजना के प्रत्यक्ष लाभार्थी होने की उम्मीद है। यह योजना स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के विभिन्न आयामों की समझ को बढ़ावा देगी और नीति, अभ्यास और कार्यान्वयन को सूचित करेगी। इन स्कूलों से सीखने को देश के अन्य स्कूलों तक बढ़ाया जाएगा।

योजना को 2022-23 से 2026-27 तक 5 वर्षों की अवधि में लागू करने का प्रस्ताव है।

पीएम श्री स्कूल 2022

पीएम श्री स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने में मदद करेंगे और समय के साथ अनुकरणीय स्कूलों के रूप में उभरेंगे।

माननीय सांसद महेदय गजेंद्र सिंह शेखावत जी के अथक एवं समर्पित प्रयासों से जोधपुर क्षेत्र के 21 विद्यालयों को पीएम श्री योजना में निहित किया गया है।

संख्या	ज़िला	ब्लॉक	UDISE + स्कूल कोड	स्कूल का नाम
1	जोधपुर	सेखला	8151603204	GSSS लौरान
2	जोधपुर	शेरगढ़	8150301901	GSSS सोमेसर
3	जोधपुर	बालेसर	8150407404	GASSS आगोलाई
4	जोधपुर	बापीनी	8151107201	GASS कंकड़ालन्दा
5	जोधपुर	चामू	8151602206	GSSS चामू
6	जोधपुर	देचु	8151208501	GASSS सेतरावा
7	जोधपुर	धवा	8150811713	GSSS धवा
8	जोधपुर	घटियाली	8150111103	GASSS घटियाली
9	जोधपुर	केरु	8150701001	GSSS दाईजर
10	जोधपुर	लोहावट	8151308702	GSSS दौसर
11	जोधपुर	बाप	8150120601	GUPS एकलथी
12	जोधपुर	जोधपुर दक्षिण म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन	8151500808	GSSS सीबांची गेट CHB
13	जोधपुर	आऊ	8151101401	GASSS इन्द्रों का बास
14	जोधपुर	लुणी	8150807301	GSSS मोगरा कालाँ
15	जोधपुर	मंडोर	8150707404	GSSS डाईकडा
16	जोधपुर	फलादी	8150207001	GASSS मोखेरी
17	जैसलमेर	भनियाना	8160200127	राजकीय उच्च प्रथमी विद्यालय भानियानी
18	जैसलमेर	नाचना	8160104004	राजकीय उच्च प्रथमी विद्यालय नोखा
19	जैसलमेर	मोहनगढ़	8160121404	राजकीय PS 2 MD महादेव नगर
20	जैसलमेर	साँकरा	8160215821	राजकीय उच्च प्रथमी विद्यालय रामदेवडा



एक सप्ताह में बनाया 100 बेड वाला अटल कम्यूनिटी कोविड रिलीफ सेंटर

अप्रैल-मई वर्ष 2021

कोविड के दौरान जोधपुर में एम्स सहित तीनों ही प्रमुख अस्पतालों में आईसीयू बेड को लेकर हाहाकार मच गया। अत्यंत गंभीर स्थिति को भांपते हुए केन्द्रीय जल शक्तिमंत्री श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने जिला प्रशासन को एक अस्थाई अस्पताल तैयार करने के लिए स्थान उपलब्ध कराने को कहा। काफी इंतजार के बाद भी अस्थाई अस्पताल के लिए एम्बीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थान की अनुमति राजस्थान सरकार से नहीं मिली तो शेखावत ने जोधपुर में सरस डेयरी के समीप कौशल विकास एवं उद्यमशील मंत्रालय प्रशिक्षण महानिदेशालय के उच्च प्रशिक्षण संस्थान परिसर में 100 बेड का कोविड केयर आइसोलेशन सेंटर बनाने का काम आरंभ कर दिया। इसमें 100-100 अतिरिक्त बेड जोड़कर इसे 500 बेड करने का प्रावधान भी रखा गया।

इसे अटल कम्यूनिटी कोविड रिलीफ सेंटर नाम दिया गया, जो केवल सात-आठ दिवस में तैयार किया गया। जोधपुर एम्स की एक्सटेंशन विंडो के रूप में तैयार किया गया। इस कोविड रिलीफ सेंटर में हर बेड पर ऑक्सीजन व्हाइंट, पैरा मॉनिटर सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। इसमें अत्याधुनिक बेड लगाए गए और गैस मिलेंडर दुर्बर्द्ध से आए तो मॉनिटर लंदन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जर्मनी से खरीदे गए। जो जहां से मिला तत्काल व्यवस्थाएं पूरी कर सेंटर को सात-आठ दिन में तैयार किया गया। टियर वन एवं टियर टू की चिकित्सा व्यवस्था की गई। एम्स के डॉक्टर्स व नर्सिंग टीम ने सेवाएं दी। इस प्रकार एक सप्ताह में कोविड अस्पताल तैयार करने में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने अग्रणी भूमिका निभाकर अनुकरणीय उपलब्धि अर्जित की।



प्रथम बार नाइट्रोजन प्लांट को कन्वर्ट कर ॲक्सीजन गैस प्लांट बनाया

18 मई 2021

प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर जोधपुर के अटल कम्प्यूनिटी कोविड रिलीफ सेंटर में प्रथम बार नाइट्रोजन गैस प्लांट को ॲक्सीजन प्लांट में कन्वर्ट किया गया। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने इसके लिए आईआईटी मुम्बई के प्रोफेसर अत्रे से सम्पर्क साधा। बाद में शेखावत के मार्गदर्शन में यह कार्य किया गया।





ग्रामीण क्षेत्रों में शहर जैसी चिकित्सा सुविधा

अप्रैल-मई वर्ष 2021

जहां बीमार वहीं उपचार! प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना थी कि मरीज जहां पर बीमार हो उसे वहीं पर उपचार मिले। विशेषरूप ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा में कमी होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। माननीय जल शक्तिमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी ने जन सहयोग एवं सीएसआर फंड से दस-दस बेर्ड के सेमी आईसीयू वार्ड तैयार करने का बीड़ा उठाया।

- इसके लिए करीब 27 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया।
- चयनित स्वास्थ्य केंद्रों में सीएसआर फंड से प्रत्येक में करीब 25-25 लाख रूपए खर्च कर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्तसेमी आईसीयू वार्ड तैयार किए गए।
- इनमें जोधपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शेरगढ़, बालेसर, सेतरावा, देचू, आउ, चामू, बाप, टेपू और नौख में तो कार्य भी पूरा कर आतजन के लिए संबंधित स्वास्थ्य केंद्र के प्रबंधन को समर्पित भी किया जा चुका है।
- केलनरसर, सांकड़ा, भणियाणा, फलसूंड, लूणी, झांवर, सालावास, मूरसागर व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामदेवरा में सेमी आईसीयू वार्ड का कार्य प्रगति पर है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामदेवरा में भी कार्य प्रगति पर है।
- माननीय के अनुरोध पर रामदेवरा धाम स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो वार्ड के लिए 40.27 लाख रूपए एवं टेपू में स्वास्थ्य केंद्रों के लिए सीएसआर कोष से राशि उपलब्ध करवाई गयी।



फलोदी में दो करोड़ की लागत से सीटी स्कैन इकाई व मशीन

8 मई 2021

माननीय शेखावत जी ने 8 मई 2021 को लोहावट, ओसियां, फलोदी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अस्पतालों के अवलोकन किया तो कुछ परेशानियां क्षेत्र के लोगों ने बताईं। मुख्यरूप से फलोदी के राजकीय अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन की परेशानी बताईं, कहा कि प्राइवेट में हजारों रूपए खर्च करने पड़ते हैं। शेखावत ने क्षेत्र के लोगों के आग्रह पर फलोदी अस्पताल में एडवांस सीटी स्कैन मशीन एवं उसके लिए अलग से सभी सुविधाओं से युक्त भवन बनवाया। जिस पर करीब 40 लाख खर्चा आया। सीटी स्कैन मशीन करीब 1 करोड़ 25 लाख में स्थापित करवाईं।



कोविड काल की विशेष उपलब्धियां

जोधपुर के लोकप्रिय सांसद श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत वैश्विक महामारी कोरोना के समय अपने संसदीय क्षेत्र में ही नहीं बल्कि देश के अनेक राज्यों के पीड़ितों को सहायता पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। राजस्थान एवं पंजाब सहित अनेक राज्यों के साथ समन्वय किया। साथ ही लम्बे समय तक अपने संसदीय क्षेत्र में रहे।

- शेखावत ने पीएम केयर फंड में एक करोड़ की राशि समर्पित की। साथ ही मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपने विवेकाधीन सांसद निधि से 25 लाख का सहयोग किया।
- केन्द्रीय मंत्री के आग्रह पर राजस्थान की अनेक संस्थाओं ने पीएम केयर फंड और मुख्यमंत्री सहयोगता कोष में 1.62 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की।
- एक देश-एक संदेश के संकल्प के तहत कोरोना पीड़ित परिवारों को सहयोग देने के लिए जोधपुर शहर जिला के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सक्रियता से काम किया।
- 31 मार्च 2020 को देशभर के विशेषकर राजस्थान के लोगों से केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों की पालना करने का आग्रह कर संयम बरतने की अपील की। चिकित्सा एवं भोजन इत्यादि जैसी समस्याओं के लिए 702644777 वाट्सऐप हेल्पलाइन नम्बर जारी किया। मैसेज मिलने पर संबोधित को यथासंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास किया।
- केन्द्रीय मंत्री ने कोविड काल में कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध लगातार पल-पल की खुद मोबाइल कॉल एवं वीडियो कॉफ़ेन्सिंग के जरिए मॉनिटरिंग की ताकि पीड़ित तक सहायता पहुंच सके।
- केन्द्रीय मंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती नौनद कंवर ने अपनी दोनों बेटियों के साथ खुद सिलाई मशीन से मॉस्क तैयार किए और जरूरत मंदों को मॉस्क भिजवाए। इससे महिलाओं को प्रेरणा मिली।

- कोरोना की महाजंग में अपनी जान जोखिम में डालकर पूर्ण मनोयोग से कार्य करने वाले मीडियाकर्मियों का उत्साह बढ़ाया और राजस्थान के मीडियाकर्मियों को भी ब्रामा करने एवं संक्रमण के कारण असामिक मृत्यु होने पर पचास लाख की सहायता देने का आग्रह राजस्थान सरकार से किया ।
- कोरोना के चलते लक्ष्यकड़ाउन होने के कारण देशभर में फंसे प्रवासियों को अपने घरों तक पहुंचाने में सेतु का काम किया । संबंधित जिलों के अधिकारियों से सम्पर्क कर अनुमति दिलाई । खाद्य सामग्री पहुंचाने के साथ ही अपने परिजनों की मौत पर संबंधित को घर पहुंचाने का इंतजाम भी करवाया ।
- पीएमओ इंडिया कोरोना मञ्चनियरिंग एण्ड कंट्रोलिंग कमेटी के राजस्थान प्रभारी गजनीसिंह शेखावत ने राजस्थान के विविध जिलों के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, ओडिशा, झारखण्ड, मिजोरम सहित अनेक राज्यों में सहायता पहुंचाने का प्रयास किया ।
- 29 मई 2020 को तमिलनाडू के कोयम्बटूर से 1650 से अधिक प्रवासियों के पास बनवाकर दिए । बैंगलूरू के विशेष रेल से 1500 प्रवासियों को राजस्थान लेकर आए । यह लोग श्रमिक सुपर फास्ट ट्रेन से मारवाड़ फिर जोधपुर पहुंचे । इनको लेने के लिए खुद केन्द्रीय मंत्री शेखावत जोधपुर के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पहुंचे । करीब चालीस लाख से अधिक प्रवासियों को राजस्थान में अपने घरों तक लाने में अहम भूमिका निभाई । किरणीस्तान के राजदूत से बात करके 100 अधिक छात्र-छात्राओं को की वतन वापसी करवाई ।
- 23 जून 2020 को कुवैत में फंसे 162 मुस्लिम बोहरा समुदाय के प्रवासियों को राजस्थान लाने में मदद की । कुवैत से करीब 330 से अधिक प्रवासियों को स्वदेश लाने में सहायता किया गर वापसी करवाई ।
- 20 अगस्त 2020 को केन्द्रीय मंत्री शेखावत कोरोना संक्रमण के शिकार हो गए । उनके परिवार के कुछ सदस्य और सहयोगी को भी कोरोना हो गया । इस दौरान शेखावत दिल्ली के मेदांता अस्पताल में उपचाराधीन रहे लेकिन उन्होंने वहां से भी काम बंद नहीं किया और नियमित रूप से वीडियो कांफ्रॉन्सिंग के जरिये काम करते रहे । अस्पताल में बेड से वीडियो कांफ्रॉन्सिंग के जरिये अफसरों के साथ मीटिंग करते रहे । इतना ही नहीं अपने क्षेत्र की जनता से लगातार जुड़े रहे । सभी जरूरी मंत्रालय और संगठन का काम करते रहे । विदेशों में फंसे प्रवासियों की घर वापसी शेखावत के प्रयासों से ही सुनिश्चित हो सकी । स्वच्छा विश्वन पर भी काम करते रहे । शेखावत के कार्यों की तारीफ प्रधानमंत्री जी कई अवसरों पर करते रहे हैं ।
- 24 अप्रैल 2021 कोरोना के दूसरे चरण में गंभीर एवं खतरनाक लहर की आहट आते ही केन्द्रीय मंत्री शेखावत सक्रिय हो गए और संभावित खतरनाक स्थिति को भांपते हुए 20 अप्रैल 2021 के आस-पास ही जोधपुर जिला प्रशासन के साथ बैठक की । अपनी सांसद निधि से कोरोना की तकाल रोकथाम के लिए पचास लाख की सहायता दी ।
- 26 अप्रैल 2021 को फिर दिल्ली से जोधपुर आए और महात्मा गांधी अस्पताल, मथुरादास माथुर अस्पताल एवं भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर एम्स का दौरा कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अस्पतालों में भर्ती कोविड के मरीजों एवं उनके परिजनों से मिल, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और फ्रंट लाइन वर्कर का उत्साह बढ़ाया ।





- 27 अप्रैल को महात्मा गांधी अस्पताल में अवलोकन के बाद डॉ.एसएन मोडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं अस्पताल के चिकित्सकों के साथ अस्पताल के कॉविड डेंडोकेटेड सेंटर में बैठक की। तत्काल चिकित्सकोंय आवश्यकताओं के बारे में पूछा। शेखावत ने 23 अप्रैल 2021 को ही सांसद निधि से 50 लाख दिए थे।
- गांधी अस्पताल में तुरंत आवश्यकता को ध्यान रखते हुए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट एवं अन्य उपकरणों के लिए तुरंत डेंड करोड़ की राशि कुछ ही मिनटों में जुटा ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के अलावा दो वैंटिलेटर, पांच मॉनिटर और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए।
- 02 मई 2021 को ऑक्सीजन एवं आईसीयू वैंटिलेटर के संबंध में जिला एवं चिकित्सा प्रशासन से विस्तार से फीडबैक लेकर ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर बोरोनाडा स्थित जोधपुर गैसस के प्लांट का अवलोकन किया। गुजरात के जामनगर से एयरलिफ्ट करके लाए गए ऑक्सीजन टैंकर का अवलोकन कर आगे की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की।
- 3 मई 2021 को रेलवे अस्पताल में ऑक्सीजन, वैंटिलेटर और अन्य व्यवस्थाओं को जांचा। अस्पताल की क्षमता बढ़ाकर 100 बेड करने के लिए डीआरएम को निर्देश दिए।
- 14 मई 2021 को बालेसर, शेरगढ़, फलमूँड, भणियाण, देचू एवं सांकड़ा, पोकरण सहित अनेक क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्रों पर गए और अत्याधिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर समर्पित किए। पत्स्य ऑक्सीमीटर और मल्टी पैरा मॉनिटर से सुसज्जित इन कंसंट्रेटर का डेमो भी किया। मंत्री जी ने केवल नौं घंटे में तीन विधानसभा क्षेत्र के आठ स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया।
- 23 मई 2023 कॉविड की खतरनाक संक्रमण की बीमारी के बाद केन्द्रीय मंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने का संकल्प किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सीएचसी पर कम से कम दस-दस आईसीयू तैयार करने का बीड़ा उठाया। शेखावत ने कुल 30 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर करीब 15 करोड़ खर्च कर केन्द्रों का कार्यालय करने के लिए दानदाताओं से राशि जुटाने की मुहिम आरभ की।
- जोधपुर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी आई तो केन्द्रीय मंत्री ने खुद मॉनिटरिंग कर ऑक्सीजन की आपूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं को पूरा करने का प्रयास किया। 25 अप्रैल 2021 से 5 मई 2021 तक जोधपुर क्षेत्र में करीब 409 मीट्रिक टन लिकिवड ऑक्सीजन की आपूर्ति करवाई। इसमें से 259.5 मीट्रिक टन जामनगर एवं 149.5 मीट्रिक टन भिवाड़ी से मंगवाई गई। तत्काल तीन टैंकर मगवाए। फलोदी व बाप में चालीस ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की। इसके साथ-साथ ही मंत्री शेखावत संसदीय क्षेत्र में जोधपुर जिले और ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण की स्थिति का भी फीडबैक लेते रहे। जोधपुर कलक्टर, जैसलमेर कलक्टर, एसडीएम, बीसीईएमओ एवं सीएमएचओ के साथ वीडियो कॉफ्रैंसिंग के जरिये रिव्यू मीटिंग लेते रहे।

एम्स

९ वर्ष स्वस्थ समाज के खुशहाली के आधार के

विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा के साथ अब जोधपुर एम्स में ६०० करोड़ की लागत से बनेगा उत्कृष्ट ट्रॉमा सेंटर

स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। हालांकि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की अनदेखी के कारण स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत गरीब देश की श्रेणी में चला गया था। २०१४ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आधारभूत ढाँचे को विकसित करने को सर्वोच्च प्राथमिका दी गई। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार ने कई उल्लेखनीय काम किए। नए एम्स की स्थापना, जरूरी दवाइयों का मूल्य निर्धारण, जन औषधि केंद्र की स्थापना और देश की बड़ी आबादी के लिए मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मुहैया करना, यह समाज को स्वस्थ बनाने की दिशा में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार की पहल हैं।

- प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी



2014 के बाद बने एम्स -

- देश में खोले गए जन औषधि केंद्र - 8700 (31 मार्च 2022)
- देश में 2025 तक जन औषधि केंद्र खोले जाने का लक्ष्य - 10,500
- देश की जनता को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा - 11 करोड़ (करीब)
- 90 हजार से भी कम मेडिकल सिटें थीं 2014 से पहले देश में 9 वर्षों में 65 हजार से अधिक नई सीटें जोड़ी गईं
- 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 611 जिलों के 1129 केंद्रों पर 7807 हेमो डायलिसिस मशीनों की स्थापना
- 30 जून, 2022 तक कुल 14.72 लाख रोगियों ने डायलिसिस सेवाओं का लाभ उठाया

मैंने जोधपुर में एम्स संस्था बीजारोपित होते हुए देखा है। कोरोना काल में इस संस्थान ने सात दिन में अटल कोविड सेंटर बनाकर अद्वितीय कार्य किया। जोधपुर एम्स की सेवाएं पूरे पश्चिमी भारत को मिल रही हैं। अब तो यह जानकर खुशी होती है कि पंजाब के लोग भी यहां इलाज के लिए आते हैं। इतने कम समय में एम्स जोधपुर इतनी लंबी रेखा खींच देगा, शायद उस रेखा से पार पाना देश-दुनिया के किसी और संस्थान के बस का नहीं होगा।

- केंद्रीय जल शक्तिमंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत जी

जोधपुर एम्स की सौगात

लंबे दौर तक दिल्ली का एम्स बेहतर इलाज और गंभीर रोगों की चिकित्सा के लिए पूरे देश के लोगों के लिए अकेला विकल्प था। स्वतंत्रता के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी ने दिल्ली में पहला एम्स बनवाया था। उसके बाद 55 साल तक कोई नया एम्स नहीं बना। फिर परम श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के समय 6 एम्स देश में बनवाए गए। जोधपुर और इसके आसपास के इलाके की जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की नेतृत्व वाली सरकार ने जोधपुर में एम्स की स्थापना का सपना संजोया। इसे बनवाने का श्रेय पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जी को भी जाता है। उन्होंने तब किसी कार्य से मिलने आए माननीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी के माध्यम से एक पर्ची तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सुषमा स्वराज जी को भेजी थी। सुषमा जी ने तब कहा था, छह एम्स में से पहला जोधपुर में बनेगा। तब का प्रयास आज राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा का एक बड़ा उपक्रम, एक बड़ा तीर्थ बन चुका है।



गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जनता के सपने किए साकार

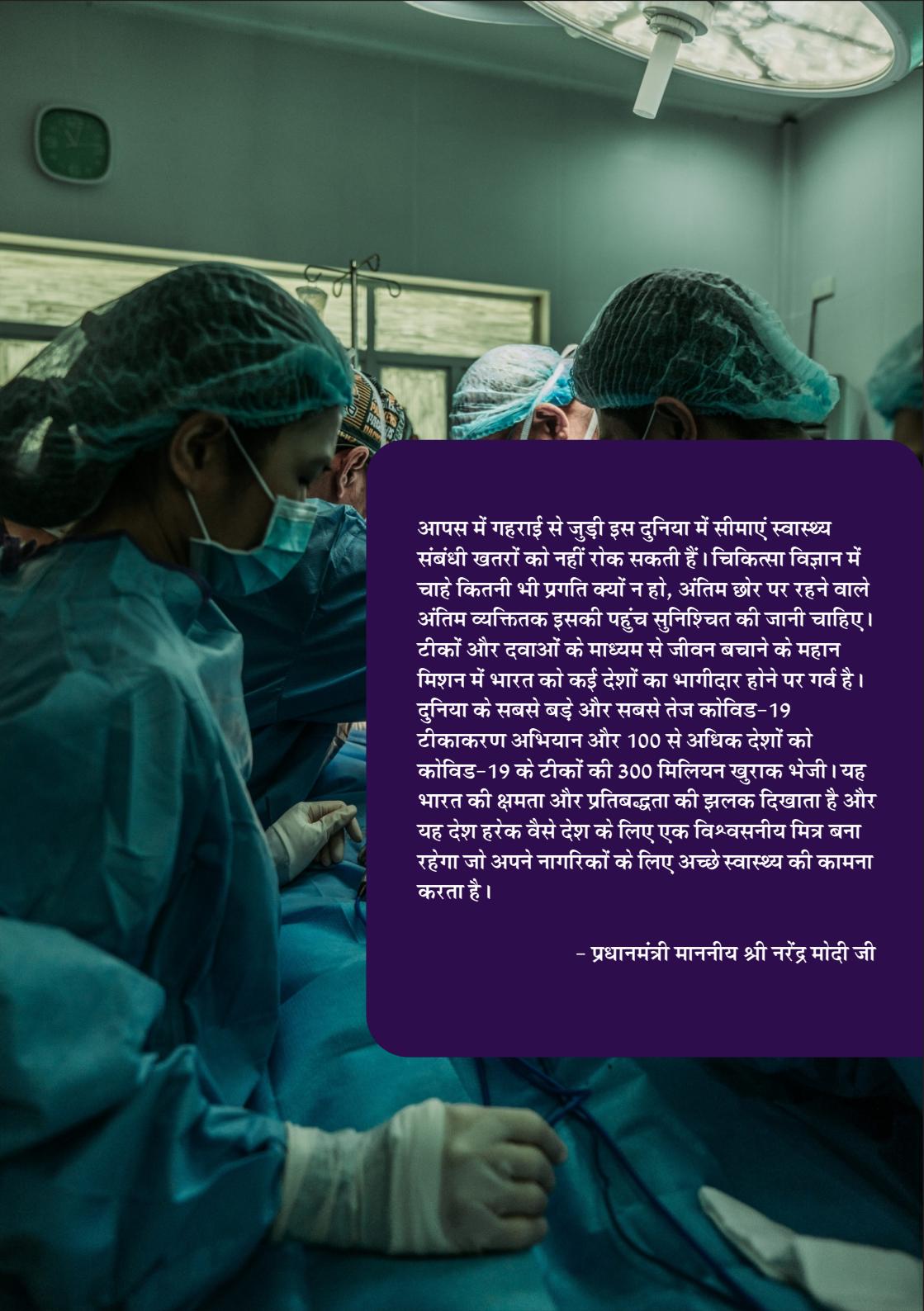
जोधपुर एम्स की नींव रखे जाने के बाद इसे पूर्ण रूप देने में आदरणीय गजेन्द्र सिंह शेखावत जी ने बड़ा योगदान दिया। एम्स जोधपुर को एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने और इसमें सभी तरह का इलाज संभव हो सके, इसके लिए एम्स प्रशासन को अतिरिक्त भूमि का आबांटन किया जाना था। माननीय गजेन्द्र सिंह शेखावत जी ने खुद आदरणीय प्रधानमंत्री जी, तत्कालीन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्यान मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी और तत्कालीन कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह जी के सामने इस विचार को रखा। उनकी पहल रंग लाई और एम्स को 67 एकड़ अतिरिक्त भूमि का आबांटन संभव हो पाया।

- काजरी (CAZRI) से एम्स (AIIMS) द्वारा हस्तांतरिक भूमि पर 110 डॉक्टरों के लिए आवासीय क्वार्टर का निर्माण हो रहा है
- 20 लाख रोगियों की सेवा कर सकेंगे इस आवासीय क्वार्टर में रहने वाले डॉक्टर
- 100 से 167 एकड़ में एम्स का विस्तार

शुरुआत में 100 एकड़ में बन रहे एम्स में 24 एकड़ क्षेत्र का आबंटन छात्रावास के लिए और 76 एकड़ क्षेत्र को मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनुभागों के लिए आबंटित किया गया था। चूंकि बिस्तरों की संख्या 850 से बढ़ाकर 960 कर दी गई, साथ ही बीएससी के 100 और एमएससी के 25 विद्यार्थियों की बढ़ातरी के कारण एम्स को अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता पड़ी। 67 एकड़ भूमि मिलने से स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जोधपुर के लोगों के लिए जो स्वस्थ समाज का सपना देखा था, वह साकार होने वाला है। जो सेवा, एम्स जोधपुर में उपलब्ध काराई जा रही है, उससे केवल जोधपुर ही नहीं बल्कि संपूर्ण पश्चिमी राजस्थान को लाभ मिल रहा है। यह पश्चिमी राजस्थान के लोगों के लिए गर्व और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

- 200 (2014 से पहले) से बढ़कर 960 हो गई एम्स जोधपुर में विस्तरों की संख्या
- 9 वर्षों में 400 प्रतिशत के करीब ओपीडी में कुल रोगियों की संख्या में हुई बढ़ातरी
- 9 वर्षों में 900 प्रतिशत की बढ़ातरी हुई शल्य चिकित्साओं की कुल संख्या में
- 9 वर्षों में रोबोटिक, ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग, एमआरआई, डायलेसिस जैसे सुविधाओं की हुई शुरुआत





आपस में गहराई से जुड़ी इस दुनिया में सीमाएं स्वास्थ्य संबंधी खतरों को नहीं रोक सकती हैं। चिकित्सा विज्ञान में चाहे कितनी भी प्रगति क्यों न हो, अंतिम छोर पर रहने वाले अंतिम व्यक्तिक इसकी पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। टीकों और दवाओं के माध्यम से जीवन बचाने के महान मिशन में भारत को कई देशों का भागीदार होने पर गर्व है। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज कोविड-19 टीकाकरण अभियान और 100 से अधिक देशों को कोविड-19 के टीकों की 300 मिलियन खुराक भेजी। यह भारत की क्षमता और प्रतिबद्धता की झलक दिखाता है और यह देश हरेक वैसे देश के लिए एक विश्वसनीय मित्र बना रहेगा जो अपने नागरिकों के लिए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

- प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी



परिचमी राजस्थान में काजरी (CAZRI) से एम्स (AIIMS) को भूमि का हस्तांतरण

“जीवन काल में बढ़ोतरी, खुशहाली में बढ़ोतरी”

स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का संजोया ड्रीम प्रोजेक्ट, AIIMS जोधपुर का विकास, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी नेतृत्व के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण थाइस विजन के साथ आगे बढ़ते हुए AIIMS जोधपुर को एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा और भविष्य में इसमें मानसिक, दंत चिकित्सा एवं चक्षु-चिकित्सा विज्ञान अनुभागों को सम्मिलित किया जाएगा। उपर्युक्त अनुभागों के अतिरिक्त इसमें प्रशासनिक, अनुभागीय खंडों, आवासीय भवनों एवं बहुमंजिला पार्किंग आदि का समावेश भी किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए AIIMS प्रशासन को अतिरिक्त भूमि का आवंटन किया जाना था और मैंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा तथा कृष्ण मंत्री, श्री राधा मोहन सिंह के साथ विचार-विमर्श आरंभ किया ताकि उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके। वर्तमान में ऐडे जोधपुर कुल 100 एकड़ क्षेत्र को कवर करता है जिसमें से कुल 24 एकड़ क्षेत्र का आवंटन छात्रावासों के लिए तथा 76 एकड़ क्षेत्र को मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनुभागों के लिए आवंटित किया गया है चूंकि बिस्तरों की संख्या की मांग 850 से बढ़कर 960 हो गई है तथा साथ ही बी.एम्सी. के 100 एवं एम.एम्सी. के 25 विद्यार्थियों की बढ़ोतरी के कारण AIIMS जोधपुर की क्षमता में बढ़ोतरी की मांग को पूरा करने के लिए 67 एकड़ और भूमि की आवश्यकता है। इस दिशा में आगे बढ़कर किए गए प्रयासों के कारण ही उपर्युक्त विस्तार कार्य तेजी से किया जा सका है जो सेवा AIIMS जोधपुर द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी उससे न केवल जोधपुर बल्कि संपूर्ण पश्चिमी राजस्थान को लाभ प्राप्त होगा। यह पश्चिमी राजस्थान के लोगों के लिए गर्व और उत्कृष्टता का प्रतीक होगा।

G-20

जब G-20 सम्मेलन सूर्यनगारी की सांस्कृतिक विरासत से दमका

G-20 सम्मेलन की अध्यक्षता मिलना भारत के लिए पहले से ही बहुत गर्व की बात थी। तत्पश्चात हमारे जोधपुर को पहली बार इस तरीके के इंटरनेशनल इवेंट की मेजबानी दी गई। 3 दिन तक 29 देशों के 74 विदेशी डेलिगेशन के साथ 100 से ज्यादा अधिकारियों ने इसमें हिस्सा लिया। इसके अलावा कुछ इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन के मेंबर भी इस 3 दिन की बैठक में शामिल हुए। जोधपुर का हेरिटेज परिवृश्य सभी पर्यटकों को बहुत भाया।

मिर्ची बड़े और मावा कचोरी के स्वाद को विदेशी स्वदेशी डेलिगेट्स ने खूब सराहा।

**dhpur Welcomes
G20 Delegates**

विश्व पटल पर जोधपुर की आन और शान की पताका खूब लहराई।





उज्ज्वला योजना से उज्ज्वल भविष्य निर्माण

उज्ज्वला योजना ने जिस प्रकार हमारी गरीब माताओं और बहनों के जीवन को आसान बनाकर खुशियों से रोशन किया है, वो बहुत उत्साहित करने वाला है।

- माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी

”

2016 से अब तक उज्ज्वला के तहत ग्राहकों की संख्या

क्षेत्र	जोधपुर शहर	फलोदी	शेरगढ़	लूणी	लोहावत	पांखरण	कुल
कनेक्शनों की संख्या	12051	21909	7174	2904	8782	11886	64706

“अमृत सरोवर निर्माण में अबल जोधपुर

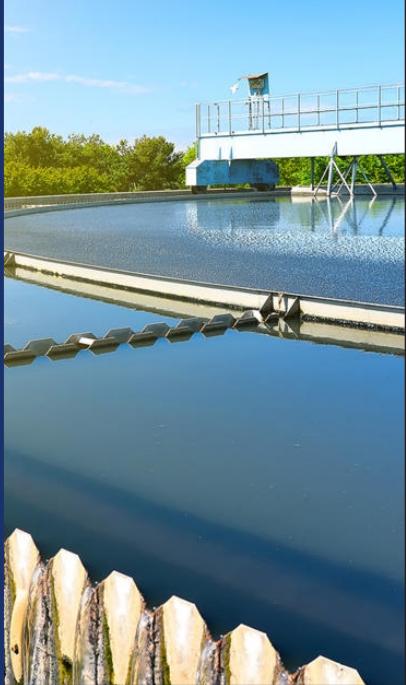
- जल संरक्षण और संचयन के प्रधानमंत्री जी के सपने को अमृत सरोवर निर्माण के रूप में माननीय श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी साकार रूप दे रहे हैं। जोधपुर जिला, अमृत सरोवर निर्माण में प्रदेश में अबल है। जिले में सर्वाधिक 250 अमृत सरोवर निर्माण का लक्ष्य रखा गया।
- देश में 75 तालाब प्रति जिले के हिसाब से 50 हजार तालाबों की कल्पना अमृत सरोवर के रूप में की गई है। जोधपुर जिले में 147 ऐसे स्थान चिह्नित किए गए।
- राजस्थान में सर्वाधिक तालाब किसी एक जिले में अमृत सरोवर बनाने के लिए चिह्नित किए गए हैं तो वो जोधपुर है। 70 ऐसी अवसरंगनाएं, जो भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित हैं, उन्हें भी अमृत सरोवर परियोजना के साथ जोड़ा गया है।
- प्रधानमंत्री जी ने जो आह्वान किया था कि जहां भी वह अमृत सरोवर बनें, उनके साथ जनता का जुड़ाव हो। आमजन इनके साथ स्वामित्व का भाव रखें। उसे भी साकार किया गया है।



जल समृद्धि की गाथा के 9 वर्ष

आज 60% ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। भारत में 1.55 लाख से अधिक गांवों (कुल गांवों की संख्या का 25%) ने अब तक शहर घर जलश की सूचना दी है, यानी इन गांवों के प्रत्येक घर में अपने घरेलू परिसर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा है। चालू वर्ष में जनवरी से मार्च 2023 तक जल जीवन मिशन के तहत प्रति सेकंड एक नल कनेक्शन दिया गया है। यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है और इससे कई जिंदगियां सशक्त होंगी। हम आने वाले समय में इस कवरेज को और भी तेज गति से बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

- प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी





2024 तक हर घर पहुंचेगा शुद्ध जल

जल संकट आज एक वैश्विक समस्या के रूप में हम सभी के सामने है। कई देशों में बड़ी आबादी शुद्ध जल के लिए तरस रही है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। साल दर साल, जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल स्तर कर होता जा रहा है। इस संकट से निवटने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापक कदम उठाते हुए डेविलोपमेंट मंत्रालय का गठन किया। आदरणीय श्री गजेन्द्र सिंह शोखावत जी को इस मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया। इसके बाद से देश में जल संचयन, जल संरक्षण और शुद्ध जल आपूर्ति की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाए गए। मंत्रालय के एक पहल जल जीवन मिशन के तहत देश के हर ग्रामीण परिवार को नल से शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य 2019 में शुरू किया गया। आज करीब 12 करोड़ घरों तक सफलता पूर्वक जल की आपूर्ति की जा रही है।

घर पहुंचा जल, 37 ज्वल हुआ कल

राजस्थान अपने भौगोलिक स्थिति के कारण पहले से ही पानी की कमी से जूझता रहा है। 2019 से पहले की स्थिति यह थी कि हमारी जनता अपने जीवनकाल का एक बड़ा हिस्सा पानी की व्यवस्था में गुजार देती थी। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश के हर जिले को जल जीवन मिशन से जोड़ा गया और आज 37 प्रतिशत से अधिक घरों तक शुद्ध जल की आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान राज्य सरकार की शिथिलता के कारण मध्य के वर्षों में कार्य की प्रगति में बाधा आई, लेकिन प्रदेश के हर घर तक शुद्ध जल पहुंचाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

दुनिया हमारी सराहना कर रही है। भारत ने जल क्षेत्र में 240 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है, लेकिन हमारे सामने चुनौती भी बहुत बड़ी है और हम सभी को जल संरक्षण और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। हम अपने प्राकृतिक संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि केवल संरक्षक हैं और यह सभी का कर्तव्य है कि हम अपने पूर्वजों से विरासत में मिले प्राकृतिक संसाधनों को भावी पीढ़ी को वापस लौटाएं।

-केंद्रीय जल शक्तिमंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी

जोधपुर के 37 प्रतिशत घरों तक शुद्ध जल

जोधपुर भी जल जीवन मिशन योजना से लाभान्वित हो रहा है। आज जोधपुर जिले के करीब 37 प्रतिशत घरों को नल से शुद्ध जल की आपूर्ति हो रही है। 15 अगस्त 2019 तक महज 28,000 घरों को ही नल से शुद्ध जल की आपूर्ति हो रही थी।



जोधपुर लोकसभा क्षेत्र की वर्ष 2014 से मार्च 2023 तक केन्द्र पोषित स्वीकृत हुई योजनाओं का विवरण (सारणी)

क्र.सं.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		विशेष विवरण
					पूर्ण	प्रगतिरत	
1	आर.ओ. संयंत्र	170	170	2446.57	170	0	-
2	सोलर डीएफ्यू	37	37	744.95	37	0	-
3	पाईप लाइन एवं अन्य कार्य	58	58	2083	58	0	-
4	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	231	351	54819.8	36	193	कुल 105256 FHTC जारी 49959 घरों को FHTC जारी की जा चुकी है।
		496	616	60094.1	301	193	

जोधपुर लोकसभा क्षेत्र की वर्ष 2014 से मार्च 2023 तक केन्द्र पोषित स्वीकृत हुई योजनाओं का विवरण

विधानसभा क्षेत्र शेरगढ़

क्र.सं.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		विशेष विवरण
					पूर्ण	प्रगतिरत	
पंचायत समिति शेरगढ़							
1	आर.ओ. संयंत्र	23	23	195.5	23		
2	जल जीवन मिशन कार्य(OTMP)	18	21	2425.53	0	18	FHTC Total- 8246 Provided FHTC- 4812
		41	44	2621.03	23	18	
पंचायत समिति बालेसर							
1	आर.ओ. संयंत्र	23	23	195.5	23	0	
2	पाईप लाइन एवं अन्य कार्य	22	22	586.89	22	0	
3	जल जीवन मिशन कार्य(OTMP)	54	93	8587.72	1	53	FHTC Total- 31666 Provided FHTC- 10491
		99	138	9370.11	46	53	
पंचायत समिति चामू							
1	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	7	8	1062.96	1	6	FHTC Total- 3992 Provided FHTC- 1070
पंचायत समिति सेखाला							
1	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	10	10	1469.74	1	9	FHTC Total- 5594 Provided FHTC- 2642

विधानसभा क्षेत्र लोहावट

क्र.स.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		विशेष विवरण
					पूर्ण	प्रगतिरत	
पंचायत समिति देवू							
1	आर.ओ. संयत्र	18	18	284.98	18	0	
2	सोलर डीएफ्यू	3	3	60.43	3	0	
3	पाईप लाईन एवं अन्य कार्य	6	6	310.77	6	0	
4	जल जीवन मिशन कार्य(OTMP)	18	33	2842.69	0	18	FHTC Total- 8576 Provided FHTC- 4112
		45	60	3498.87	27	18	
पंचायत समिति बापिणी							
1	आर.ओ. संयत्र	4	4	79.6	4	0	
2	सोलर डीएफ्यू	1	1	21.42	1	0	
		5	5	101.02	5	0	
पंचायत समिति लोहावट							
1	आर.ओ. संयत्र	8	8	152.13	8	0	
2	सोलर डीएफ्यू	7	7	147.58	7	0	
3	पाईप लाईन एवं अन्य कार्य	14	14	313.04	14	0	
4	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	8	11	1807.26	0	8	FHTC Total- 1515 Provided FHTC- 383
		37	40	2420.01	29	8	
पंचायत समिति शेरगढ़							
1	आर.ओ. संयत्र	7	7	59.5	7	0	

विधानसभा क्षेत्र लूपी

क्र.स.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		विशेष विवरण
					पूर्ण	प्रगतिरत	
पंचायत समिति लुपी							
1	आर.ओ. संयत्र	28	28	238	28	0	
2	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	45	48	6985.97	8	35	FHTC Total- 16888 Provided FHTC- 12848
		73	76	7223.97	36	35	
पंचायत समिति धवा							
1	आर.ओ. संयत्र	8	8	68	8	0	
2	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	4	6	762.48	1	3	FHTC Total- 2359 Provided FHTC- 1271
		12	14	830.48	9	3	
पंचायत समिति कैरू							
1	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	17	35	6149.63	13	4	FHTC Total- 10818 Provided FHTC- 8504

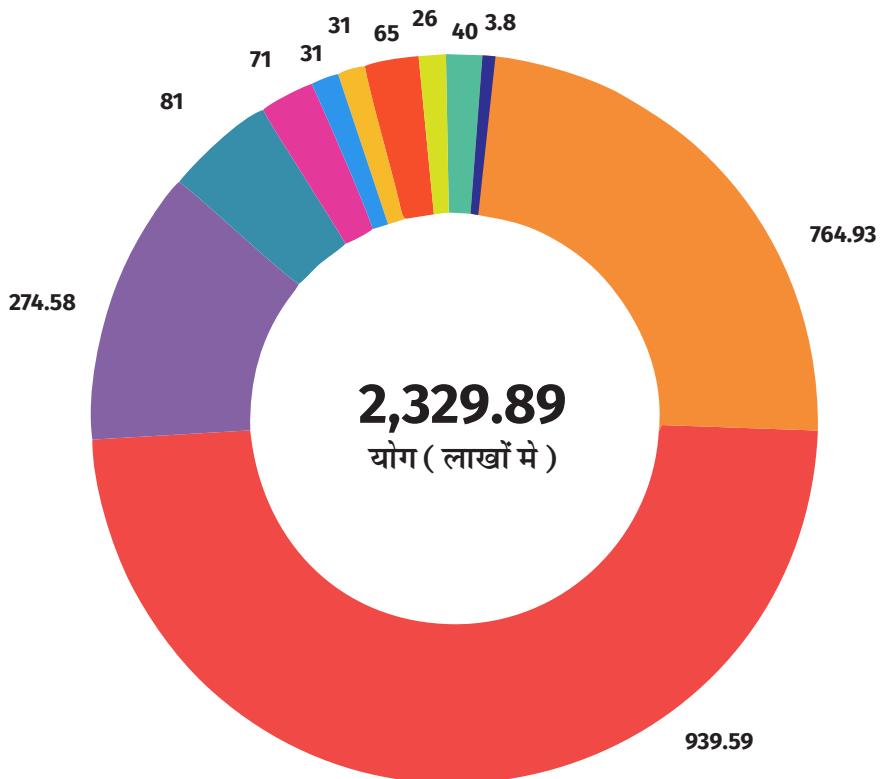
विधानसभा क्षेत्र फलोदी

क्र.सं.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		
					पूर्ण	प्रगतिरत	
पंचायत समिति फलोदी							
1	आर.ओ. संयत्र	18	18	355.22	18	0	
2	सोलर डीएफ्यू	19	19	373.64	19	0	
3	पाईप लाइन एवं अन्य कार्य	5	5	108.01	5	0	
		42	42	836.87	42	0	
पंचायत समिति बाप							
1	आर.ओ. संयत्र	20	20	402.71	20	0	
2	सोलर डीएफ्यू	7	7	141.88	7	0	
3	पाईप लाइन एवं अन्य कार्य	11	11	764.04	11	0	
4	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	1	1	271.99	0	1	FHTC Total- 275 Provided FHTC- 55
		39	39	1580.62	38	1	

विधानसभा क्षेत्र पोकरण

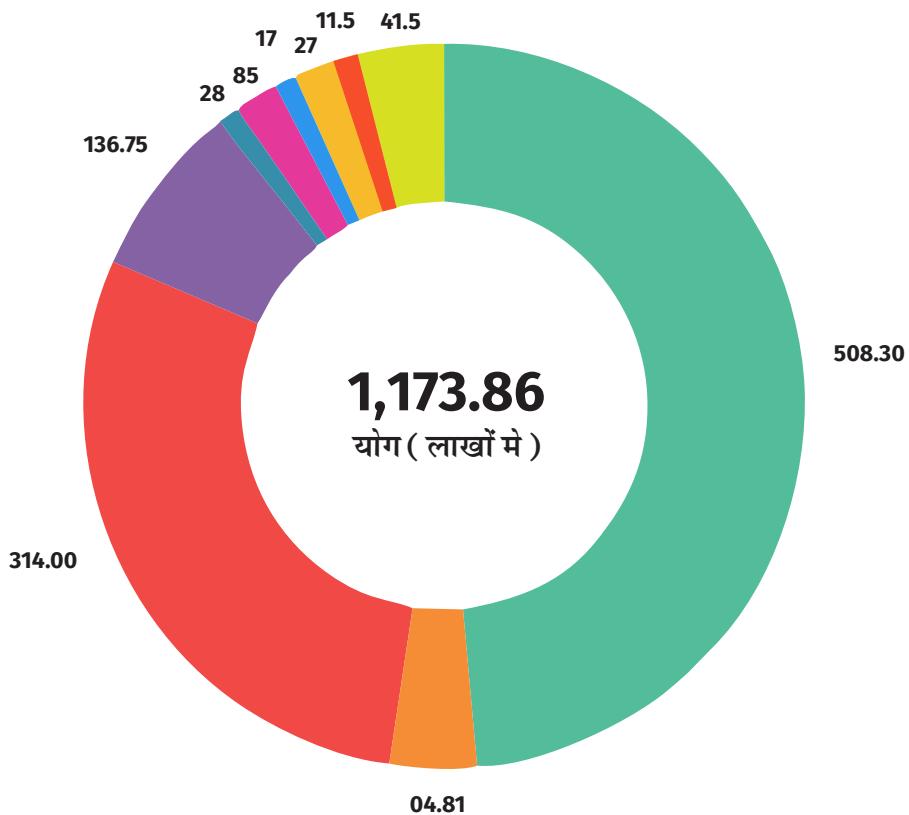
क्र.सं.	कार्य का विवरण	योजनाओं की संख्या	लाभान्वित गांवों की संख्या	लागत (राशि लाखों में)	वर्तमान स्थिति		
					पूर्ण	प्रगतिरत	
पंचायत समिति सांकडा							
1	आर.ओ. संयत्र	9	9	284.31	9	0	
2	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	9	10	2482.09	8	1	FHTC Total- 3027 Provided FHTC- 1513
		18	19	2766.40	17	1	
पंचायत समिति भणियाणा							
1	आर.ओ. संयत्र	2	2	68.78	2	0	
2	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	2	2	768.00	0	2	FHTC Total- 728 Provided FHTC- 442
		4	4	836.78	2	2	
पंचायत समिति नाचना							
1	आर.ओ. संयत्र	2	2	62.48	2	0	
2	जल जीवन मिशन कार्य (OTMP)	38	73	19203.67	3	35	FHTC Total- 12072 Provided FHTC- 1816
		40	75	19266.15	5	35	

एमपीलेइस विकास कार्य 16 वी लोकसभा (2014-2019)



- विद्युत
- सामुदायिक क्षेत्र
- विद्यालय
- पेयजल
- सड़क
- चिकित्सा क्षेत्र
- शमशान भूमि
- शौचालय
- खेल
- राजकीय भवन
- विविध

एमपीलेड्स विकास कार्य 17 वी लोकसभा (2019-2023)



- सामुदायिक क्षेत्र ● विद्यालय ● पेयजल ● सड़क ● चिकित्सा क्षेत्र
- शमशान भूमि ● शौचालय ● खेल ● राजकीय भवन ● विविध



डाकघरों का विकास

दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में, भारत का मानना है कि रोजगार के भविष्य को आकार देने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा मजबूत लोकतंत्र और हमारी विविधता, हमें विभिन्न प्रकार की आवाजों और विचारों को एक साथ लाने के लिए अद्वितीय परिप्रेक्ष्य एवं शक्तिप्रदान करती है।

- केंद्रीय जल शक्तिमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी

डाकघर भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पूर्व की सरकार ने इस रीढ़ को तोड़ने का कार्य किया, लेकिन 2014 में आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के साथ ही डाकघरों के विकास पर काम शुरू हो गया। आज स्थिति बेहतर है। हमारे जोधपुर में ही एक प्रधान डाकघर और 45 उप डाकघर के साथ 226 शाखा डाकघर सुचारू रूप से काम कर रहे हैं।

- जोधपुर संसदीय क्षेत्र के सभी डाकघर 2014 में नेटवर्किंग से जुड़े ताथ वर्तमान में सभी डाकघर कर बैंकिंग सुविधा से जुड़ कर ऑनलाइन बैंकिंग की सेवाएं मूल्यांकित करा रहे हैं।
- जोधपुर संसदीय क्षेत्र के सभी डाकघर 2014-15 में मैकेमिश सॉफ्टवेयर से जुड़कर ऑनलाइन डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा की सेवाएं दे रहे हैं।
- सभी डाकघर 218 में CSI सॉफ्टवेयर में माइग्रेट हो गए, जिससे डाक बुकिंग, वितरण और अन्य डाकघर संबंधित कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं।
- 1 सितंबर 2018 में जोधपुर संसदीय क्षेत्र में भारतीय डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक का शुभारंभ किया गया, जिसमें जोधपुर शाखा को प्रारंभ किया गया।
- जोधपुर संसदीय 7त्र के अंतर्गत आने वाले सभी प्रधान डाकघर, उपडाकघर एवं शाखा डाकघरों को आईपीपीबी के कार्य हेतु Access Point बनाया गया है।

- कोरोना महामारी के दौरान डाकघरों के माध्यम से आमजन के घर तक AePS सुविधा के माध्यम से 55 करोड़ से भी अधिक राशि का भुगतान करवाया गया।
- जोधपुर संसदीय क्षेत्र के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शाखा डाकघर DAR PAN प्रोजेक्ट द्वारा जुड़कर ऑनलाइन डाक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

डाकघर से जुड़ी ग्रामीण आबादी, चेहरे पर आई खुशहाली

- 3 सांसद आदर्श ग्राम बनाए गए।
- 120 गांवों में प्रत्येक घर को बीमा से कवर करके बीमा ग्राम घोषित किए गए।
- 51 गांवों में प्रत्येक घर की बालिका का सुकन्या समृद्धि खाता खोलकर संपूर्ण सुकन्या ग्राम घोषित किए गए।
- 2021 में जिला स्तरीय फिलेटली एक्जीबिशन 'जोधापेक्स' का आयोजन किया गया।
- जोधपुर फिलेटली ब्यूरो हेतु मुख्य डाकघर परिसर में नया भवन बनाया गया।

राष्ट्र भी, राष्ट्रवाद भी

- माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर आदाजी के अमृत महोत्सव पर जोधपुर मंडल (संसदीय क्षेत्र) द्वारा 1,09,820 तिरंगे वितरित किए गए।





साल नया, हर काम नया

- 2023 में जोधपुर मुख्य डाकघर में फॉरेन एक्सपोर्टर हेतु डाकघर नियंत्रण केंद्र की शुरुआत की गई।
- इसमें फॉरेन एक्सपोर्टर घर बैठे ही अपने पार्सल को बुक करके डाकघर नियंत्रण केंद्र के जरिए विदेश भेज सकते हैं।
- अभी 1808 आर्टिकल बुक के गए हैं।

गतिशक्ति को गति

- जोधपुर गतिशक्ति योजना के तहत रेलवे एवं डाक विभाग द्वारा 'Joint Parcel Product' सेवा शुरू की गई।
- इसके तहत डाक विभाग बड़े पार्सल को जोधपुर से सीधे ही रेलवे के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचा रहा है।
- 1237 कन्साइनमेंट बुक किए गए मार्च 2023 में
- 2021 में एकीकृत डाक वितरण को बढ़ावा देने हेतु जोधपुर में नोडल डिलीवरी सेंटर का शुभारंभ किया गया।
- पार्सलों के सुचारू एवं त्वरित संचालन हेतु जोधपुर में पार्सल हब की शुरुआत की गई।

बाबा रामदेव जी का प्रसाद आपके द्वार

- 2021 में रामदेवरा में डाकघर हेतु नव निर्मित भवन का शुभारंभ किया गया।
- 2022 में डाक विभाग द्वारा सेवा शुरू की गई, जिसके अंतर्गत आमजन घर बैठे प्रसाद हेतु ऑनलाइन रिक्वेस्ट करके, डाक विभाग के माध्यम से घर पर ही लोक देवता बाबा रामदेव जी की प्रसाद मंगा सकता है।

9 वर्षों में चमक उठे डाकघर

- 2014 से अभी तक कुल 3 नए उपडाकघर और 6 नए शाखा डाकघर खोले गए।
- 7 डाकघर के लिए नए परिसर/भवन का निर्माण भी करवाया गया।
- पूर्व में जोधपुर डाक मण्डल में जोधपुर एवं जैसलमेर जिला दोनों थे। 2021 में जोधपुर मण्डल के 24 उपडाकघरों एवं 184 शाखा डाकघरों को मिलाकर अलग से जैसलमेर मण्डल बनाया गया।
- 5 डाक सहायकों और 6 ग्रामीण डाक सहायकों को नियुक्तिपत्र दिए गए दिनांक 22.10.2022 से आज तक लगाए गए रोजगार मेले में।





परिचमी राजस्थान में खानों के लिए पर्यावरण संबंधी स्वीकृति-मानदंडों में छूट

“ क्षेत्रीय विकास को साथ मानवीय-गरिमा को बनाए
रखने की समुन्नति ”

जोधपुर में लगभग 42, 500 पत्थर की खदानों का बंद होना एक ऐसा ज्वलंत मुद्दा था जिसके कारण जोधपुर की प्रमुख अर्थिक गतिविधियां थम गई थीं द्य पर्यावरण संबंधी स्वीकृति प्रदान करना विवाद का मुख्य मुद्दा था। पहले 5 हे. से कम की खानों हेतु ईसी की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं थी।। नए एनजीटी नियमों के कारण, 5 हे. के लिए भी पर्यावरण संबंधी स्वीकृति लेना आवश्यक हो गया था और इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा भी सुनिश्चित किया गया थाद्य वे नियम जिनके आधार पर ईसी दी जा सकती थी, उनके बारे में अनेक सख्त दिशानिर्देश थे, जैसे कि अधिक बोझ के लिए 50: क्षेत्र तथा 25: परिधि क्षेत्र पर्यावरणीय संसाधनों के लिए रखा जाना चाहिए था। अनेक छोटी-छोटी एवं सूक्ष्म खदानों के मालिकों के लिए ये शर्तें कठिन थीं और इस प्रकार से अनेक खदानें बंद होना आरंभ हो गई थीं। चूंकि अधिकांश खानें छोटी एवं सूक्ष्म खानें थीं, खानों में काम करने वाले लगभग 2.5 लाख श्रमिक बेरोजगार हो गए और 4 लाख परिवारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। मैंने पत्थर खदान श्रमिक यूनियन के दल का नेतृत्व किया और माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री (एमओईएफसीसी), प्रकाश जावड़ेकर जी के पास पहुंचा और इस समस्या के मूल कारण अर्थात् “एक समान खनिजों की छोटी खानों को मिलाकर समूह बनाने की विधि तथा उस समूह की बी.04 श्रेणी के अंतर्गत पहचान करने और इस प्रकार से 4 हेक्टेयर से कम आकार की छोटी खदानों के लिए भी ईसी जारी करने को अधिदैशित करने के संबंध में छूट देने के लिए मांग की द्य यह मांग छोटी खानों के लिए ईसी मानदंडों में छूट देने के लिए तथा उहें बी.04 श्रेणी के तहत न रख कर बी.02 श्रेणी के अंतर्गत रखने की थी ताकि वे केन्द्र से ईसी प्राप्त करने के लिए मजबूर न हों और वे अपने जिले से ही ईसी प्राप्त कर सकें द्य हमारी मांगों पर संज्ञान लेते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), द्वारा मानदंडों में छूट प्रदान की गई है।



पोकरण फायरिंग रेंज के प्रस्तावित विस्तार के कारण होने वाले जनसंख्या के विरथापन को रोकना

नागरिक अधिकारों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन साधना

पोकरण फायरिंग रेंज की स्थापना 1966 में की गई थी और आज इसे एशिया का सबसे बड़ा फायरिंग रेंज माना जाता है। 1966 में इस रेंज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करने के लिए लगभग 22 गांवों को पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से विस्थापित किया गया था। 1966 में परि-श्य आज के गावों के परि-श्य से बहुत भिन्न था। भूमिगत जल कनेक्शनों और पाइप लाइनों के कारण, यह क्षेत्र समृद्ध और सिंचित क्षेत्र के रूप में विकसित हो गया था और इसलिए इन क्षेत्रों से विस्थापित होने का अर्थ था ग्रामवासियों को भारी आर्थिक नुकसान होनामैंने 24.07.2014 को इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया और सदन को उनकी समस्याओं से अवगत करवायामैंने फायरिंग रेंज के विस्तार के लिए शाहगढ़ बुल्ड में आयोजित किए गए सर्वेक्षण (इस सर्वेक्षण में इस स्थान को विस्तार के लिए उपयुक्तपाया गया था और ऐसे स्थान, जो सिंचाई की अच्छी सुविधा से युक्त है और जहां की जनता हाल ही में आकर बसी है, में दोबारा शिफ्ट करने के अनावश्यक प्रयास के बारे भी सदन को सूचित किया। इस प्रकार मेरे प्रयासों से, पोकरण फायरिंग रेंज के विस्तार के निर्णय को रोका जा सका और वहाँ की जनता ने राहत की सांस ली।



प्रस्तावित सैन्य प्रशिक्षण स्थल को बदलने के कारण से होने वाली जनसंख्या विस्थापन को रोकने के सफल व गंभीर प्रयास से विस्थापन रोका जा सका

बछतारबंद रेजीमेंट के स्थान बदलने के लिए (मनौवरींग) आवश्यक क्षेत्र इसकी अवधारणा के समय पर एक बंजर और निर्जन भूमि थी। तथापि, पिछले 50-60 वर्षों के दौरान, इस क्षेत्र को विकास के उपहार और आर्थिक प्रगति का अपना हिस्सा मिला और इस प्रकार यह कृषि के लिए स्थावर सम्पदा का एक प्रमुख खंड बन गया थाभूमिगत जल आपूर्ति तथा पाइप जल कनेक्शनों के कारण यह क्षेत्र जैसलमेर क्षेत्र के सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्रों में से एक बन गया। इस क्षेत्र से लगभग 70 ग्रामों को विस्थापित और उन्हें एक नए स्थान पर शिफ्ट करने का निर्णय लोगों को भीषण आर्थिक हानि तथा जिले में उत्पादकता की क्षति का कारण हो सकता था। इस प्रकार मैंने इस अत्यधिक संवेदनशील विषय को और आगे बढ़ायाविभिन्न स्तरों पर चर्चा के पश्चात इस भूमि को अधिगृहीत न करने पर सर्वसम्मति बनी और प्रशिक्षण क्षेत्र के लिए भूमि के प्रावधान के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था हो सकी।



पाकिस्तान के हिन्दू प्रवासियों की नागरिकता से संबद्ध दलिलों का निपटारा करना

“एक-एक करके प्रवासी पहचान संकट का निपटारा ”

वर्ष 1965 से पहले, भारतीयों एवं पाकिस्तानियों के बीच परस्पर मेल-जोल की प्रक्रिया सुखद अहसास थी और दोनों तरफ के लोग नियमित रूप से एक दूसरे के यहां आते-जाते थे। 1971 के युद्ध के बाद, यह स्थिति तहस-नहस हो गई और हिन्दुओं पर विविध प्रकार से क्रूरता बढ़ गई तथा उन्होंने समूहों में पाकिस्तान से पलायन करना शुरू कर दिया। अभियोग चलाने के भय से तीर्थ यात्रा वीजा पर भारत आए बहुत से हिन्दुओं ने वापस जाने से मना कर दिया। क्योंकि वे पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत में प्रविष्ट हुए थे और उसमें इस बात का उल्लेख था कि वे भारतीय नागरिक नहीं थे, इसलिए वे कोई पहचान का प्रयाण भी प्रस्तुत नहीं कर सकेंसलिए उन्हें न तो कोई काम ही मिल सका और न ही इन्हें कोई सरकारी सुविधा ही मिली। अत्यधिक निर्धनता ने उनकी ऐसी स्थिति बना दी जिसे देखकर हृदय द्रवित हो उठता। उनकी इसी दयनीय अवस्था को देखकर मैंने इस मुद्दे को, भारत के विदेशी नागरिक और भारतीय मूल के लोग विषय पर विचार-विमर्श के दौरान संसद में उठाया और बाद में एक संयुक्तसंसदीय समिति ने इनका दौरा किया, तब जाकर पाकिस्तान के उन हिन्दुओं को अनेक छूट दी गई। जिन्होंने भारत को अपना तो लिया था परन्तु अभी भी जिनके पास कोई पहचान का प्रमाण नहीं था।



16वीं लोक सभा के सदस्य के रूप में कार्यनिष्पादन, 2014-2019 जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करना, उनके मन की बात बोलना

संसद भारतीय प्रजातंत्र का पावन स्थल है व भवित्व तुल्य है, जहाँ बोला गया प्रत्येक शब्द व्यक्तिविचार व उल्लेखित विषय देश के लोगों के मन मस्तिष्क में स्थाई स्थान बनाते हैं व भविष्य के भारत का निर्माण भी करते हैं। इसका प्रत्येक सदस्य लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है, वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के सजग प्रहरी की तरह काम करता है। एक सदस्य के नाते संभवतरू वह एक ऐसा व्यक्ति है, जिसे सर्वाधिक सम्मान प्राप्त होता है। इस प्रकार, लोगों की आपसे जो अत्यधिक अपेक्षाएं होती है उससे प्रेरित होकर आप एक बहुत बड़े प्रेरक के रूप में काम करते हैं। यही कारण है कि थकान भरे दिनों, लम्बी रातों, अलसाई सुबह और थकान भरी दोपहर के बाद, लम्बे विचार-विमर्श या दिलचस्प वार्तालाप के बावजूद भी किसी व्यक्तिका उत्साह सतत बना रहता है, अपने लोगों की अति उत्साहवर्धक भावना के साथ ही वह एक प्रेरक की भाँति कार्य करता है। मैंने वर्ष 2014 के महत्वपूर्ण चुनाव के बाद पहली बार 16वीं लोकसभा में प्रवेश किया। संसद में कदम रखने के पहले दिन से ही मैंने अपने लिए भी उत्कृष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करने का निर्णय किया मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि लोकसभा में मेरी उपस्थिति 91% थी, जबकि राष्ट्रीय औसत उपस्थिति 80% रही। मैंने राष्ट्रीय औसत 54 के समक्ष 320 वाद-विवादों में भाग लिया और मैंने 312 प्रश्न संसद में उठाए। जबकि राष्ट्रीय औसत 216 की रही है मुझे खुशी है कि इस गरिमामयी सदन के सर्वात्कृष्ट कार्यनिष्पादक सदस्य होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ सितम्बर, 2017 में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री की जिम्मेदारी देने से पहले मुझे तीसरे उत्कृष्ट कार्यनिष्पादक संसद का सम्मान प्राप्त हुआ। जिसके लिए मुझे बहुत गर्व है।